हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
शनिवार, 04 फरवरी 2012, नगर, पांच प्रदेश, 17 संस्करण
www.livehindustan.com
देहरादून, वर्ष 3, अंक 30, 18 पेज, मूल्य ₹ 3.00

साइबर क्राइम रोकने को ज्ञान जरूरी

देहरादून | कार्यालय संवाददाता

शुक्रवार को तुलाज इंस्टीट्यूट में साइबर क्राइम विषय पर सेमिनार में विशेषज्ञों ने कहा कि साइबर क्राइम रोकने के लिए जनजागरूकता और ज्यादा संसाधनों की आवश्यकता है। सेमिनार में प्रतिभागियों को साइबर क्राइम से बचने के लिए उपाय भी बताए गए।

सेमिनार में आई आईटी खड़गपुर के रिसर्च स्कॉलर और साइबर क्राइम से जुड़े मामलों के विशेषज्ञ स्वप्न पुरकैत ने मुख्य व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को साइबर क्राइम के विभिन्न स्वरूपों और खतरों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि ईमेल हैकिंग से कोई भी परेशानी में पड़ सकता है, लिहाजा साइबर क्राइम की जद में आम आदमी आसानी से आ जाते हैं। उन्होंने आइडेंटिटी थ्रेट्स, की लोगर्स, ओपन प्रॉक्सी और वायरस के जरिए होने वाले साइबर अपराधों की विस्तार से जानकारी दी।

पुरकैत ने प्रतिभागियों को अपना ईमेल एकाउंट हैकिंग प्रूफ बनाने के तरीके भी सिखाए। पुरकैत ने कहा कि सोशल नेटवर्किंग साइट पर हैकिंग का खतरा बहुत ज्यादा होता है।

इस मौके पर पुलिस कर्मचारी भी उपस्थित रहे। तुलाज के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि साइबर क्राइम पर अंकुश लगाने के लिए नेट यूजर्स में जागरूकता जरूरी है। कार्यक्रम में सिल्की जैन, पवन कुमार चौबे, रवि प्रिया भी शामिल हुए।

जानिये तकनीकी को

- साइबर क्राइम पर तुलाज इंस्टीट्यूट में सेमिनार आयोजित
- विद्यार्थियों और पुलिस को दी साइबर क्राइम के स्वरूप की जानकारी